UNIVERSITY OF MUMBAI
No. UG/217 of 2010

CIRCULAR :-

A reference is invited to the Ordinances, Regulations and syllabi relating to the M.A. degree course (Parts - I & II) vide this office Circular No.UG/504 of 2004, dated 19th November, 2004 and the Head, University Department of Hindi, the Principals of the affiliated Colleges in Arts and the Professor-cum-Director, Institute of Distance and Open Learning are hereby informed that the recommendation made by the Board of Studies in Hindi at its meeting held on 10th May, 2010 has been accepted by the Academic Council at its meeting held on 10th June, 2010 **vide** item No. 4.58 and that, in accordance therewith, the Syllabus and Pattern of Question Paper for the M.A. Part-I and Part-II in the subject of Hindi is revised as per **Appendix** and that the same has been brought into force with effect from the academic year 2010–2011.

MUMBAI-400 032
28th July, 2010

L. R. Mane
Offg. Registrar

To,

The Head, University Department of Hindi, the Principals of the affiliated Colleges in Arts and the Professor-cum-Director, Institute of Distance and Open Learning

A.C./4.58/10/06/2010

****

No. UG/217-A of 2010, MUMBAI-400 032 28th July, 2010

Copy forwarded with compliments for information to:-

1) The Dean, Faculty of Arts,
2) The Chairman, Board of Studies in Hindi,
3) The Controller of Examinations,
4) The Co-Ordinator, University Computerization Centre,

(D. N. Jadhav)
Ag. Deputy Registrar
(UG/PG Section)

Copy to :-

The Director, Board of College and University Development, the Deputy Registrar (Eligibility and Migrati Section), the Director of Students Welfare, the Executive Secretary to the to the Vice-Chancellor, Pro-Vice-Chancellor, the Registrar and the Assistant Registrar, Administrative sub-center, Ratnagiri for information

The Controller of Examinations (10 copies), the Finance and Accounts Officer (2 copies), Record Sec (5 copies), (3 copies), Publications Section (5 copies), the Deputy Registrar, Enrolment, Eligibility and Migration Se pies), the Deputy Registrar (Accounts Section), Vidyan Professor-cum- Director, Institute of Distanc (IDE Building), Vidyan Registrar, Aca

Enclosure to Item No. 4.58
10/6/2010

UNIVERSITY OF MUMBAI

Revised Syllabus
and
Pattern of Question Paper
in the
Subject of Hindi
at the
M.A. Part I Examination &
M.A. Part II Examination

(With effect from the Academic year 2010-2011)

Scanned with OKEN Scanner

UNIVERSITY OF MUMBAI

Revised Syllabus
&
Pattern of Question Papers
in the subject of Hindi
at the
M. A. Part I Examination

(with effect from the Academic year 2010-2011 to 2012-13)

प्रश्नपत्र क्रमांक-एक	:	आधुनिक पद्य
Paper-I		Modern Poetry
प्रश्नपत्र क्रमांक-तीन	:	हिंदी साहित्य का इतिहास
Paper-III		History of Hindi Literature
प्रश्नपत्र क्रमांक-पांच	:	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
Paper-V		Old and Medieval Poetry
प्रश्नपत्र क्रमांक-सात	:	प्रयोजनमूलक हिंदी
Paper-VII		Functional Hindi
		अथवा
		पत्रकारिता
		Journalism
		अथवा
		स्त्री-विमर्श एवं हिंदी साहित्य
		Feminism and Hindi Literature

समिति :

१. डॉ. सतीश पाण्डेय (अध्यक्ष)

२. डॉ. [illegible] तिवारी (सदस्य)

३. डॉ. [illegible] पाटील (सदस्य)

४. डॉ. [illegible] [illegible] (सदस्य)

५. डॉ. [illegible] [illegible] (सदस्य)

पाठ्यक्रम

एम. ए. प्रथम वर्ष (हिंदी)

प्रश्नपत्र क्र. १. : आधुनिक गद्य

पाठ्य पुस्तकें :

१. नाटक :

१. स्कंदगुप्त - जयशंकर प्रसाद :

२. माधवी - भीष्म साहनी :

प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन प्रा. लि.

१ बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली-२

२. उपन्यास :

१. गोदान-प्रेमचंद

२. जंगल जहाँ शुरू होता है - संजीव

प्रकाशक-राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि.

जी-१७, जगतपुरी, दिल्ली-५१

३. निबंध :

१. मेरी श्रेष्ठ व्यंग्य रचनाएँ-हरिशंकर परसाई

प्रकाशक नेशनल पेपरबैक्स, नई दिल्ली-२

१. वैष्णव की फिसलन, २. साहब महत्वाकांक्षी,

३. निंदारस, ४. बेईमानी की परत, ५. एक लड़की पांच दीवाने,

६. अकाल उत्सव, ७. घायल बसंत, ८. पहला सफेद बाल,

९. जमाखोर की क्रांति, १०. राजनीति का बँटवारा,

११. दो नाक वाले लोग, १२. हनुमान जी अदालत में

४. कहानी : १. प्रतिनिधि कथामाला-संपादक : मार्कंडेय

(दोपहर का भोजन को छोड़कर शेष सभी कहानियाँ)

प्रकाशक : लोकभारती प्रकाशन

पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग,

महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद-१

Scanned with OKEN Scanner

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
२. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह
३. हिंदी गद्य का इतिहास - डॉ. रामचंद्र तिवारी
४. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन - डॉ. जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
५. प्रसाद का नाट्य साहित्य - डॉ. भानुदेव शुक्ल
६. प्रसाद के नाटकों का ऐतिहासिक एवं सामाजिक विवेचन - डॉ. जगदीशचंद्र जोशी
७. हिंदी नाटक और रंगमंच :पहचान और परख - डॉ. इंद्रनाथ मदान
८. नाटककार जयशंकर प्रसाद - (सं.) डॉ. सत्येंद्र कुमार तनेजा
९. नाटक और रंग परिकल्पना - डॉ. गिरीश रस्तोगी
१०. रंगमंच का जनतंत्र - हृषीकेश सुलभ
११. रंगमंच के सिद्धांत - महेश आनंद-देवेंद्र राज अंकुर
१२. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक - डॉ. रामजन्म शर्मा
१३. हिंदी नाटक - डॉ. बच्चन सिंह
१४. भीष्म साहनी : व्यक्ति और रचना - राजेश्वर सक्सेना, प्रताप ठाकुर
१५. नाट्य विमर्श - सं.डॉ. जयदेव तनेजा
१६. आधुनिक हिंदी नाटक - डॉ. सुंदर लाल कथूरिया
१७. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास - डॉ. इंद्रनाथ मदान
१८. हिंदी उपन्यास का इतिहास - डॉ. गोपाल राय
१९. हिंदी उपन्यास : स्थिति और गति - डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
२०. प्रेमचंद और उनका युग - डॉ. रामविलास शर्मा
२१. महाकाव्यीय प्रतिभा के धनी प्रेमचंद - डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
२२. प्रेमचंद चिंतन : अपनी जमीन - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
२३. उपन्यास की संरचना - डॉ. गोपाल राय
२४. समकालीन हिंदी उपन्यास : समय से साक्षात्कार - डॉ. विजयलक्ष्मी
२५. हिंदी कथा साहित्य का पुनर्पाठ - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
२६. हिंदी गद्य लेखन में व्यंग्य और विचार - डॉ. सुरेशकांत

Scanned with OKEN Scanner

२७.	हरिशंकर परसाई : व्यंग्य की वैचारिक पृष्ठभूमि	- प्रा. राधेमोहन शर्मा
२८.	हिंदी निबंधकार	- डॉ. जयनाथ नलिन
२९.	प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार	- डॉ. विभुराम मिश्र
३०.	आँखिन देखी	- डॉ. कमला प्रसाद
३१.	हिंदी कहानी : अस्मिता की तलाश	- मधुरेश
३२.	कहानीकार प्रेमचंद : रचना दृष्टि	- डॉ. शिवकुमार मिश्र
३३.	नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति	- देवीशंकर अवस्थी
३४.	समकालीन कहानी : युगबोध का संदर्भ	- डॉ. पुष्पपाल सिंह
३५.	हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ	- डॉ. सुरेंद्र चौधरी
३६.	कथाकार संजीव	- डॉ. गिरीश काशिद
३७.	पाखी संजीव विशेषांक	- संपादक - अपूर्व जोशी

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न पत्र-३ हिंदी साहित्य का इतिहास

खंड-क

१. इतिहास दृष्टि एवं साहित्येतिहास लेखन।

२. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा एवं पुनर्लेखन की समस्याएँ।

३. हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन एवं नामकरण।

४. आदिकाल –

१. पृष्ठभूमि

२. सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, रासो साहित्य, जैन साहित्य तथा लौकिक साहित्य की सामान्य विशेषताएँ।

(सरहपा, गोरखनाथ, चंदबरदायी, स्वयंभू, विद्यापति और अमीर खुसरो का सामान्य परिचय वस्तु-निष्ठ एवं बहुविकल्पीय प्रश्नों हेतु अपेक्षित है।)

५. भक्तिकाल –

भक्तिकालीन पृष्ठभूमि।

भक्ति आंदोलन का स्वरूप विकास

संत काव्यधारा : परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ

सूफी काव्यधारा का विकास एवं प्रवृत्तियाँ

रामभक्ति काव्य धारा की परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ

कृष्ण भक्ति काव्यधारा : परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ

(निम्नलिखित कवियों का सामान्य परिचय वस्तुनिष्ठ एवं बहुविकल्पीय प्रश्नों हेतु अपेक्षित है-नामदेव, नानक, कबीर, मुल्ला दाउद, जायसी, मंझन, तुलसीदास, नाभादास, सूरदास, नंददास, मीराबाई, रहीम।)

६. रीतिकाल –

१. पृष्ठभूमि

२. रीतिकालीन काव्यधाराओं – रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त-की प्रवृत्तियाँ

(निम्नलिखित कवियों का सामान्य परिचय वस्तुनिष्ठ एवं बहुविकल्पीय प्रश्नों हेतु अपेक्षित है-केशवदास, चिंतामणि, मतिराम, भूषण, देव, बिहारी, भिखारीदास, पद्माकर, घनानंद।)

Scanned with OKEN Scanner

खण्ड (ख) - आधुनिक काल

१. आधुनिक काल की पृष्ठभूमि -

२. आधुनिक हिंदी कविता का प्रवृत्तिगत अध्ययन

भारतेंदुयुग, द्विवेदी युग, छायावाद, राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना की काव्यधारा, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, नवगीत, साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता।

(निम्नलिखित कवियों का सामान्य परिचय वस्तुनिष्ठ-बहुविकल्पीय प्रश्नों के लिए अपेक्षित है- भारतेंदु हरिश्चंद्र, मैथिलीशरण गुप्त, हरिऔध, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा, माखनलाल चतुर्वेदी, रामधारी सिंह दिनकर, हरिवंश राय बच्चन, अज्ञेय, नागार्जुन, केदारनाथ अग्रवाल, मुक्तिबोध, कुँवर नारायण, नरेश मेहता, रघुवीर सहाय, केदारनाथ सिंह, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, धूमिल, दुष्यंत कुमार, लीलाधर जगूड़ी, राजेश जोशी और अरुण कमल।)

३. गद्य साहित्य -

भारतेंदु-पूर्व हिंदी गद्य की स्थिति।

हिंदी साहित्य की प्रमुख गद्य विधाओं का विकास-कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, आलोचना, जीवनी, आत्मकथा, रेखाचित्र एवं संस्मरण।

(निम्नलिखित रचनाकारों का सामान्य परिचय वस्तुनिष्ठ-बहुविकल्पीय प्रश्नों के लिए अपेक्षित है-भारतेंदु हरिश्चंद्र, बालकृष्ण भट्ट, लाला श्रीनिवास दास, देवकीनंदन खत्री, महावीर प्रसाद द्विवेदी, चंद्रधर शर्मा गुलेरी, रामचंद्र शुक्ल, जयशंकर प्रसाद, प्रेमचंद, निराला, महादेवी वर्मा, रामवृक्ष बेनीपुरी, जैनेंद्र कुमार, अज्ञेय, यशपाल, अमृतलाल नागर, फणीश्वरनाथ रेणु, निर्मल वर्मा, मोहन राकेश, विद्यानिवास मिश्र, राम विलास शर्मा, नंददुलारे बाजपेयी, नामवर सिंह, रामदरश मिश्र, राही मासूम रजा, श्रीलाल शुक्ल, गोविंद मिश्र, शिव प्रसाद सिंह, हरिशंकर परसाई, शिवकुमार मिश्र, भीष्म साहनी, विवेकीराय, नरेंद्र कोहली, शरद जोशी, मुद्रा राक्षस, मन्नू भंडारी, उषा प्रियवंदा, कृष्णा सोबती, मैत्रेयी पुष्पा, चित्रा मुद्गुल, नासिरा शर्मा, ओमप्रकाश वाल्मीकि, मोहनदास नैमिषराय।)

•••

Scanned with OKEN Scanner

संदर्भ ग्रंथ :

१.	हिंदी साहित्य का इतिहास	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
२.	हिंदी साहित्य का इतिहास	सं. डॉ. नगेंद्र
३.	हिंदी साहित्य का आदिकाल	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
४.	हिंदी साहित्य का भूमिका	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
५.	हिंदी साहित्य : उद्‌भव और विकास	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
६.	हिंदी साहित्य का अतीत (भाग एक तथा दो)	आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
७.	हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास	डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
८.	हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	डॉ. रामकुमार वर्मा
९.	हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास	डॉ. बच्चन सिंह
१०.	हिंदी साहित्य का इतिहास-दर्शन	डॉ. शिवकुमार मिश्र
११.	हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
१२.	हिंदी का विश्व संदर्भ	डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
१३.	आदिकालीन हिंदी साहित्य	डॉ. शंभूनाथ पांडेय
१४.	साहित्य और इतिहास-दृष्टि	डॉ. मैनेजर पाण्डेय
१५.	उत्तरी भारत की संत परंपरा	आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
१६.	मध्यकालीन बोध का स्वरूप	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
१७.	हिंदी काव्य में निर्गुण संप्रदाय	डॉ. पीतांबर दत्त बड़थ्वाल
१८.	हिंदी रीति साहित्य	डॉ. भगीरथ मिश्र
१९.	हिंदी साहित्य का आधा इतिहास	डॉ. सुमन राजे
२०.	द्वितीय महायुद्धोत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास	डॉ. लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय
२१.	आधुनिक हिंदी काव्य : उद्‌भव और बिकास	डॉ. स्नेहलता पाठक
२२.	आधुनिक हिंदी कविता का वैचारिक पक्ष	डॉ. रतन कुमार पाण्डेय
२३.	आधुनिक हिंदी कविता में काव्यचिंतन	डॉ. करुणा शंकर उपाध्याय
२४.	आधुनिक हिंदी कविता का पुनर्पाठ	डॉ. करुणा शंकर उपाध्याय
२५.	स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी : कथ्य और शिल्प	डॉ. शिवशंकर पाण्डेय
२६.	छायावाद	डॉ. नामवर सिंह
२७.	परंपरा का मूल्यांकन	डॉ. रामविलास शर्मा

Scanned with OKEN Scanner

		डॉ. रामचंद्र तिवारी
२८.	हिंदी गद्य का इतिहास	डॉ. गोपाल राय
२९.	हिंदी उपन्यास का इतिहास	डॉ. रतन कुमार पाण्डेय
३०.	साठोत्तरी हिंदी कविता	डॉ. ए. अरविंदाक्षन
३१.	समकालीन हिंदी कविता	हेतु भारद्वाज
३२.	हिंदी कथा साहित्य का इतिहास	डॉ. रतन कुमार पाण्डेय
३३.	समकालीन कविता : दृष्टि और बोध	डॉ. रतन कुमार पाण्डेय
३४.	समकालीन कविता : प्रकृति और परिवेश	
३५.	आधुनिक हिंदी कविता के वैचारिक एवं शिल्पगत आयाम	डॉ. अनुराधा गर्ग

•••

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न पत्र-५ प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

पाठ्य पुस्तकें –

१. विद्यापति पदावली : संपादक-रामवृक्ष बेनीपुरी,
प्रकाशक-लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

व्याख्या हेतु निर्धारित पद संख्या —

वंदना - १, ३

वय: संधि - ४, ९

नख - शिख - १०, ११, १२, १८

प्रेम प्रसंग - २७, २९, ३४, ३५, ३७

विरह - १८७, १८८, १९१, १९३, १९४, १९५, १९७, १९८, १९९, २०५, २०९, २१४, २१७

प्रार्थना और नचारी - २३९, २४३, २५०, २५२= ३० पद

२. कबीर : संपादक-हजारी प्रसाद द्विवेदी
प्रकाशक - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

व्याख्या हेतु निर्धारित पद संख्या - १, ५, ११, १२, २०, २२, ३३, ३५, ४१, ४६, ६६, ६९, ९४, ११२, १२२, १२६, १३०, १३७, १४१, १५३, १५६, १६०, १६३, १६५, १६८, १७५, १७६, १७७, १९१, १९९, २००, २०१ , २१२, २१८, २२४, २४५, २४७, २५०, २५३, २५४=४० पद

३. पद्मावत - मलिक मुहम्मद जायसी, संपादक - रामचंद्र शुक्ल
मानसरोदक खंड और नागमती वियोग खंड

४. भ्रमर गीत सार - संपादक - रामचंद्र शुक्ल
व्याख्या हेतु निर्धारित पद संख्या - ७, १३, २१, २२, २३, २४, २५, २६, २८, २९, ३३, ३४, ३५, ३६, ३८, ४०, ४२, ४४, ४५, ४८, ५०, ५२, ५३, ५५, ५६, ५७, ५९, ६१, ६२, ६३, ६४, ६५, ६७, ६८, ७०, ७५, ९५, १३०, २७८, ३८७=४० पद

५. रामचरित मानस - तुलसीदास, प्रकाशक-गीता प्रेस, गोरखपुर
उत्तरकांड - दोहा क्रमांक २० से ६० के बीच के दोहे और चौपाइयाँ

६. बिहारी रत्नाकर - संपादक- जगन्नाथ दास रत्नाकर
व्याख्या हेतु निर्धारित दोहा संख्या - १, २०, २८, ३२, ३५, ३७, ३८, ५६, ६०, ६३, ७०, ७१, ९४, १२१, १५२, १६१, १७१, १८१, २४२, २६६, २८५, ३००, ३०१, ३०७, ३२२, ३५७, ३७१, ४१८, ४२२, ४२८, ४७२, ४८७, ४८९, ४९६, ५०३, ५७२, ५७६ ५८३, ६११, ६६३=४० दोहे

Scanned with OKEN Scanner

संदर्भ ग्रंथ :

१.	विद्यापति	डॉ. शिव प्रसाद सिंह
२.	कबीर की विचारधारा	डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
३.	कबीर : व्यक्तित्व, कृतित्व एवं सिद्धांत	डॉ. सरनाम सिंह
४.	कबीर का रहस्यवाद	डॉ. रामकुमार वर्मा
५.	कबीर साहित्य की परख	आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
६.	मध्यकालीन काव्य चिंतन और संवेदना	डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
७.	जायसी एवं उनका काव्य	डॉ. शिवसहाय पाठक
८.	जायसी	डॉ. विजय देव नारायण साही
९.	जायसी का पद्मावत: काव्य और दर्शन	डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
१०.	जायसी का काव्य-शिल्प	डॉ. दर्शनलाल सेठी
११.	सूरदास का काव्य वैभव	डॉ. मुंशीराम शर्मा
१२.	सूर-साहित्य : नवमूल्यांकन	डॉ. चंद्रभान रावत
१३.	सूर की काव्यकला	डॉ. मनमोहन गौतम
१४.	सूर और उनका साहित्य	डॉ. हरवंश लाल शर्मा
१५.	सूर की भाषा	डॉ. प्रेम नारायण शर्मा
१६.	तुलसीदास और उनका युग	डॉ. राजपति दीक्षित
१७.	तुलसीदास : चिंतन और कला	डॉ. इंद्रनाथ मदान
१८.	तुलसी दर्शन मीमांसा	डॉ. उदयभानु सिंह
१९.	तुलसी : आधुनिक वातायन से	डॉ. रमेश कुंतल मेघ
२०.	रामचरित मानस में अलंकार योजना	डॉ. वचनदेव कुमार
२१.	बिहारी का काव्य	सं डॉ. हरिमोहन मालवीय
२२.	बिहारी का काव्य लालित्य	डॉ. रमाशंकर तिवारी
२३.	बिहारी का नव मूल्यांकन	डॉ. बच्चन सिंह
२४.	हिंदी में शृंगार परंपरा और महाकवि बिहारी	डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
२५.	मध्यकालीन कवि और कविता	डॉ. रतन कुमार पाण्डेय
२६.	विविधा	डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
२७.	मध्यकालीन काव्य वैभव	डॉ. शीतला प्रसाद दुबे

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न पत्र-७ प्रयोजनमूलक हिंदी

१. प्रयोजन मूलक हिंदी: अवधारणा एवं स्वरूप, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

२. हिंदी के विभिन्न रूप : सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा।

३. राजभाषा हिंदी : संकल्पना एवं स्वरूप

४. भारतीय संविधान में भाषा संबंधी उपबंध (आठवीं अनुसूची)
राजभाषा संबंधी संवैधानिक प्रावधान :-
अनुच्छेद ३४३ से ३५१ तक
राष्ट्रपति के निर्देश
राजभाषा आयोग
संसदीय समितियाँ
राजभाषा समितियाँ
भाषानीति संबंधी सरकारी संकल्प
राजभाषा की समस्याएँ

५. संचार माध्यमों में हिंदी : रेडियो, टेलीविजन, समाचार पत्र, सिनेमा और इंटरनेट में हिंदी का प्रयोग।

६. विदेशों में हिंदी पत्रकारिता एवं साहित्य-सृजन का स्वरूप।

७. विज्ञापन और हिंदी :
विज्ञापन के विविध रूप
विज्ञापन और बाजार
विज्ञापन और जनसंचार माध्यम
विज्ञापन एजेंसियाँ
विज्ञापन-निर्माण
विज्ञापन और कानून

८. अनुवाद : परिभाषा एवं स्वरूप, आवश्यकता एवं महत्व, अनुवाद के सिद्धांत ,अनुवाद की प्रक्रिया, अनुवाद के प्रभेद, अनुवाद के उपकरण, अनुवाद के क्षेत्र एवं समस्याएँ, अनुवादक की योग्यता।

•••

Scanned with OKEN Scanner

संदर्भ ग्रंथ :

१.	राष्ट्रभारती (हिंदी मिशन)	आ. काका कालेलकर
२.	खड़ीबोली का आंदोलन	डॉ. शितिकंठ मिश्र
३.	भारतीय राष्ट्रभाषा की सीमाएँ	डॉ. सत्यव्रत
४.	भारतीय नेताओं की हिंदी सेवा	डॉ. ज्ञानवती दरबार
५.	राजभाषा के संदर्भ में हिंदी आंदोलन का इतिहास	डॉ. उदयनारायण दुबे
६.	राजभाषा हिंदी	प्रकाशन विभाग, भारत सरकार
७.	राजभाषा हिंदी	डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
८.	प्रयोजन मूलक हिंदी	डॉ. विनोद गोदरे
९.	प्रयोजन मूलक हिंदी : संरचना एवं अनुप्रयोग	डॉ. रामप्रकाश, डॉ. दिनेश गुप्त
१०.	प्रयोजन मूलक हिंदी : सिद्धांत एवं व्यवहार	डॉ. रघुनंदन प्रसाद शर्मा
११.	प्रशासनिक हिंदी : व्यावहारिक संदर्भ	डॉ. महेशचंद्र गुप्त
१२.	अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग	डॉ. नगेंद्र
१३.	अनुवाद विज्ञान	डॉ. भोलानाथ तिवारी
१४.	अनुवाद कला	डॉ. विश्वनाथ अय्यर
१५.	विज्ञापन : सिद्धांत एवं प्रयोग	अशोक महाजन
१६.	विज्ञापन : व्यवसाय एवं कला	डॉ. रामचंद्र तिवारी
१७.	आधुनिक विज्ञापन	डॉ. प्रेमचंद पातंजलि
१८.	अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएँ	डॉ. भोलानाथ तिवारी
१९.	कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग	डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा
२०.	भाषा और प्रौद्योगिकी	डॉ. विनोद कुमार प्रसाद
२१.	नये जनसंचार माध्यम और हिंदी	डॉ. सुधीश पचौरी, अचला शर्मा
२२.	हिंदी का विश्व संदर्भ	डॉ. करुणा शंकर उपाध्याय

•••

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न पत्र-७ पत्रकारिता

खंड-क

१. पत्रकारिता : अर्थ और स्वरूप।

२. पत्रकारिता के माध्यमगत रूप - मुद्रित पत्रकारिता एवं इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता का सामान्य परिचय

३. पत्रकारिता के विषयगत रूप - खोजी पत्रकारिता, महिला पत्रकारिता, क्रीड़ा पत्रकारिता, बाल पत्रकारिता, फिल्म पत्रकारिता, ग्रामीण पत्रकारिता, साहित्यिक पत्रकारिता, स्वास्थ्य पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता, पीत पत्रकारिता।

४. हिंदी पत्रकारिता : उद्‌भव और विकास।

५. पत्रकारिता और सृजनात्मक लेखन : संपादकीय, फीचर, साक्षात्कार, समीक्षा, व्यंग्य-लेख, कहानी, यात्रा-वृत्तांत, एकांकी।

६. मुद्रित पत्रकारिता : समाचार के स्रोत, समाचार-संकलन, समाचार-लेखन, समाचार-संपादन, पृष्ठ-सज्जा, ले आउट, प्रूफशोधन

७. इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता : रेडियो, टेलीविजन, इंटरनेट, सेलफोन

८. पत्रकारिता- प्रबंधन : (क) प्रशासनिक व्यवस्था, (ख) विपणन व्यवस्था, (ग) वितरण व्यवस्था

९. संपादक के प्रमुख गुण और दायित्व।

१०. संवाददाता की योग्यता तथा कार्य पद्धति।

खंड-ख

११. भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार :
क. सूचना अधिकार ख. अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार

१२. प्रेस कानून एवं आचार संहिता

१३. मुक्त प्रेस की अवधारणा

१४. साहित्यिक पत्रकारिता का स्वरूप एवं विशेषताएँ

१५. भूमंडलीकरण, बाजारवाद और हिंदी पत्रकारिता का बदलता स्वरूप

•••

Scanned with OKEN Scanner

संदर्भ ग्रंथ :

१.	हिंदी पत्रकारिता : विविध आयाम	डॉ. वेदप्रताप वैदिक
२.	हिंदी पत्रकारिता	डॉ. अर्जुन तिवारी
३.	समकालीन पत्रकारिता : मूल्यांकन और मुद्दे	डॉ. राजकिशोर
४.	पत्रकार और पत्रकारिता	डॉ. रमेश जैन
५.	आजादी के पचास वर्ष और हिंदी पत्रकारिता	डॉ. सविता चड्ढा
६.	समाचार पत्र व्यवस्थापन	अनंत गोपाल शेवड़े
७.	पत्रिका : संपादन कला	रामचंद्र तिवारी
८.	संवाद और संवाददाता	राजेंद्र
९.	मीडिया और साहित्य	सुधीर पचौरी
१०.	समाचार, फीचर लेखन और संपादन कला	डॉ. हरिमोहन
११.	पत्रकारिता के मूल सिद्धांत	नवीनचंद्र पंत
१२.	आधुनिक पत्रकारिता	डॉ. अर्जुन तिवारी
१३.	संसद और संवाददाता	ललितेश्वर प्रसाद श्रीवास्तव
१४.	जनसंचार और पत्रकारिता	डॉ. अर्जुन तिवारी
१५.	नये जनसंचार माध्यम और हिंदी	स. सुधीर पचौरी, अचला शर्मा
१६.	पत्रकारिता : मिशन से मीडिया तक	अखिलेश मिश्र
१७.	सूचना का अधिकार	विष्णु राजगढ़िया, अरविंद केजरीवाल
१८.	एंकर रिपोर्टर	पुण्य प्रसून वाजपेयी
१९.	पत्रकारिता : नया दौर, नए प्रतिमान	संतोष भारतीय
२०.	समाचर संपादन	कमल दीक्षित, महेश दर्पण
२१.	भेंटवार्ता और प्रेस कांफ्रेंस	प्रो. नंदकिशोर त्रिखा
२२.	आंचलिक संवाददाता	सुरेश पंडित, मधुकर खेर
२३.	खेल पत्रकारिता	सुशील दोषी, सुरेश कौशिक
२४.	सूचना प्रौद्योगिकी और समाचार पत्र	रवींद्र शुक्ला

•••

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न पत्र-७ स्त्री विमर्श एवं साहित्य

इस प्रश्नपत्र में सैद्धांतिक और व्यावहारिक दो विभाग होंगे।

खंड-क

१. स्त्री विमर्श की अवधारणा
२. स्त्री विमर्श की पृष्ठभूमि
३. नारीवादी आंदोलन : भारतीय एवं पाश्चात्य संदर्भ
४. हिंदी में नारी लेखन का स्वरूप और विकास

खंड-ख

उपन्यास

१. एक जमीन अपनी-चित्रा मुद्गल
प्रकाशक-सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली.
२. शाल्मली-नासिरा शर्मा
प्रकाशक-सरस्वती विहार, जी. टी. रोड, शाहदरा, दिल्ली-३२

कहानी

१.प्रतिनिधि कहानियाँ - मैत्रेयी पुष्पा
(सभी कहानियाँ)
प्रकाशक-किताबघर, नई दिल्ली
२. काला शुक्रवार-सुधा अरोड़ा
जानकीनामा, तानाशाही, रहोगी तुम वही, सत्तासंवाद, वर्चस्व, यथास्थिति, ताराबाई चाल, कमरा नंबर एक सौ पैंतीस, आधी आबादी, अन्नपूर्णा मंडल की आखिरी चिट्ठी, तीसरी बेटी के नाम ये ठंडे, सूखे, बेजान शब्द। (कुल दस कहानियाँ)

कविता

चुनी हुई कविताएँ-अनामिका
प्रकाशक-किताबघर, नई दिल्ली
(स्त्रियाँ, बेजगह, मौसियाँ, एक औरत का पहला राजकीय प्रवास, हरियाली है एक पत्ती का खो जाना, पतिव्रता, वृद्धाएँ धरती का नमक हैं, दलाई लामा, कुहनियाँ, घूंघट के पट खोल रे, तुलसी का झोला, बीजगणित, आम्रपाली, होमवर्क, अनुवाद। (कुल १५ कविताएँ)

•••

Scanned with OKEN Scanner

संदर्भ ग्रंथ :

१. नारी प्रश्न — सरला माहेश्वरी, राधाकृष्ण प्रकाशन

२. औरत, अस्तित्व और अस्मिता — अरविंद जैन, सारांश प्रकाशन, नई दिल्ली

३. स्त्रीत्ववादी विमर्श-समाज और साहित्य — क्षमा शर्मा, राजकमल प्रकाशन

४. स्त्री परंपरा और आधुनिकता — राजकिशोर, वाणी प्रकाशन

५. भारतीय समाज में नारी — डॉ. प्रभा आप्टे, क्लासिक प्रकाशन

६. स्त्रीत्व का मानचित्र — अनामिका, सारांश प्रकाशन, नई दिल्ली

७. समकालीन महिला लेखन — डॉ. ओम प्रकाश शर्मा, पूजा प्रकाशन

८. स्त्रीविमर्श — डॉ. जगदीश्वर चतुर्वेदी

९. समाजवादी देशों की महिलाएँ एक सिंहावलोकन — कुसुम त्रिपाठी, संगिनी प्रकाशन, मुंबई

१०. परिधि पर स्त्री — मृणाल पांडे

११. औरत : उत्तर कथा — डॉ. राजेंद्र यादव

१२. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास — सुमन राजे

१३. स्त्री संघर्ष का इतिहास — राधा कुमार

१४. स्त्री-पुरुषों के संबंधों का विमर्श — डॉ. उषा कीर्ति राणावत, साहित्य चंद्रिका प्रकाशन, राजा पार्क, जयपुर

१५. द सैकेंड सेक्स (उपेक्षिता स्त्री) — सिमोन द बोउआर

१६. स्त्री अधिकाराकारों का औचित्य साधन — मेरी वोल्स्टन क्राफ्ट, अनु. मीनाक्षी

१७. स्त्रियों की पराधीनता — जॉन स्टुअर्ट मिल, अनु. प्रगति सक्सेना

१८ उपनिवेश में स्त्री — प्रभा खेतान

१९. बंद गलियों के विरुद्ध : महिला पत्रकारिता की यात्रा — मृणाल पांडे, क्षमा शर्मा

२०. आधी आबादी का संघर्ष — ममता जैतली, श्री प्रकाश शर्मा

२१ स्त्रीत्ववादी विमर्श : समाज और साहित्य — क्षमा शर्मा

२२. नारी प्रश्न — सरला माहेश्वरी

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न पत्र का स्वरूप :

१. प्रश्नपत्र क्रमांक I और V में प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से एक-एक गद्यांश/पद्यांश व्याख्या हेतु पूछे जाएँगे जिनमें से किन्ही ४ की संदर्भ सहित व्याख्या करना अनिवार्य होगा। इसके लिए ४० अंक निर्धारित होंगे। इसके अतिरिक्त प्रत्येक पाठ्यपुस्तक/रचनाकार से संबंधित ६ (छह) आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न १० अंकों का होगा। अंतिम प्रश्न वस्तुनिष्ठ तथा अति लघूत्तरी जैसे दो भागों में बंटा होगा। दोनों के लिए १०-१० अंक निर्धारित होंगे। इसमें १० वस्तुनिष्ठ तथा १० अतिलघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे।

२. प्रश्नपत्र-७ (स्त्री विमर्श एवं साहित्य) में खंड क से २० अंकों हेतु विकल्प सहित एक प्रश्न पूछा जाएगा। खंड-ख से प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से एक-एक गद्यांश/पद्यांश संदर्भ सहित व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे जिनमें से किन्हीं तीन की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए ३० अंक निर्धारित हैं। इसके अतिरिक्त प्रत्येक पाठ्य पुस्तक/ रचनाकार से संबंधित एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किन्हीं तीन का उत्तर अपेक्षित होगा। इसके लिए भी ३० अंक निर्धारित हैं। अंतिम प्रश्न वस्तुनिष्ठ तथा अतिलघूत्तरी दो भागों में बंटा होगा, जिसके लिए १०-१० अंक निर्धारित हैं।

३. शेष प्रश्नपत्रों में कुल ८ प्रश्न होंगे। पहले सात प्रश्न आलोचनात्मक होंगे। इनमें से किन्हीं ५ प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न १६ अंकों का होगा। अंतिम ८वां प्रश्न वस्तुनिष्ठ तथा अतिलघूत्तरी दो विभागों में बंटा होगा। दोनों के लिए १०-१० अंक निर्धारित होंगे।

•••

Scanned with OKEN Scanner

मुंबई विश्वविद्यालय मुंबई

एम. ए. हिंदी-भाग दो

संशोधित पाठ्यक्रम एवं प्रश्नपत्र का प्रारूप

१. प्रश्न पत्र दो - आधुनिक काव्य

प्रश्न पत्र चार - भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

प्रश्न पत्र छः - काव्यशास्त्र एवं काव्यालोचन

प्रश्न पत्र आठ (विकल्प सहित) - जनसंचार माध्यम

अथवा

- दलित विमर्श एवं साहित्य

अथवा

- हिंदी नाटक

१. डॉ. विष्णु सरवदे (समन्वयक)
२. डॉ. अंबादास देशमुख
३. डॉ. शैलजा भारद्वाज
४. श्रीमती मीना भंडारी

Scanned with OKEN Scanner

एम. ए. भाग-२

प्रश्न पत्र २ : आधुनिक काव्य

व्याख्या-विवेचन हेतु निर्धारित पाठ्य-पुस्तकें

१.	कामायनी - जयशंकर प्रसाद, प्रकाशन संस्थान दिल्ली-२५.	(चिंता, लज्जा एवं आनंद सर्ग)
२.	राग-विराग - सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	सरोज स्मृति, राम की शक्ति पूजा,तोड़ती पत्थर, कुकुरमुत्ता।
३.	चांद का मुंह टेढ़ा है - मुक्तिबोध भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली	भूतपूर्व विद्रोही का आत्मकथन, अंधेरे में,
४.	कितनी नावों में कितनी बार- अज्ञेय भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली.	कितनी नावों में कितनी बार, ओ नि:संग ममेत्तर अंधकार में जागनेवाले युद्धविराम, यात्री
५.	कुरुक्षेत्र - रामधारी सिंह 'दिनकर'	तीसरा एवं चौथा सर्ग राजपाल एंड सन्स, दिल्ली-२५.
६.	नये इलाके में - अरुण कमल	नये इलाके में, हार, बात, अभिसार, श्राद्ध का अन्न, जागरण, दाना, घोषणा, आत्मा का रोकड, श्रद्धांजलि, हमारे युग का नाटक जरथ बिरववै जारिका।

संदर्भ ग्रंथ :

अज्ञेय : एक अध्ययन - भोलाभाई पटेल

अज्ञेय : कवि और काव्य - डॉ. राजेंद्र प्रसाद

अज्ञेय : प्रकृति काव्य, काव्य प्रकृति - संजय कुमार

कविता और समय - अरुण कमल

Scanned with OKEN Scanner

नई कविता : निराला अज्ञेय और मुक्तिबोध-विद्या सिन्हा
निराला के काव्य का राजनीतिक संदर्भ - डॉ. संध्या सिंह

समकालीन हिंदी कविता : अज्ञेय और मुक्तिबोध के संदर्भ में - शशि शर्मा
कामायनी की अलंकृति और अर्थ सौष्ठव - अलका शर्मा
कामायानी : एक पुनर्विचार - ग. मा. मुक्तिबोध
निराला कृति से साक्षात्कार - नंदकिशोर न्नवल
निराला - रामविलास शर्मा
मुक्तिबोध की काव्यदृष्टि - डॉ. सुरेश रितुपर्ण
मुक्तिबोध : कविता व जीवन - विवेक - चंद्रकांत देवताले
निराला और मुक्तिबोध : चार लंबी कविताएँ - नंदकिशोर नवल
प्रसाद का काव्य - प्रेम शंकर
मुक्तिबोध की कविताई - अशोक चक्रधर
कामायनी की आलोचना प्रक्रिया - डॉ. गिरिजा राय
हिंदी काव्य का इतिहास - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास - हेतु भरद्वाज
आधुनिक कविता और युग संदर्भ - शिव कुमार मिश्र
कामायनी का पुनर्मूल्यांकन - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
प्रसाद-निराला-अज्ञेय - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
जयशंकर प्रसाद - नंददुलारे वाजपेयी
कवि निराला - नंददुलारे वाजपेयी
प्रसाद काव्य में बिम्बविधान - डॉ. रामकृष्ण अग्रवाल
कामायनी की आलोचना प्रक्रिया - डॉ. गिरिजा राय
कामयनी की टीका - विश्वंभर मानव
कामायनी भाष्य - डॉ. युगेश्वर
अज्ञेय काव्य में प्राग्बिंब और मिथक - डॉ. सी. एम. राजन
जयशंकर : एक पुनर्मूल्यांकन - विनोद शाही
निराला : एक पुनर्मूल्यांकन - सं. ए. अरविंदाक्षन

Scanned with OKEN Scanner

निराला का काव्य - डॉ. बच्चन सिंह

अज्ञेय का काव्य - प्रणय कृष्ण

निराला काव्य की छबियाँ - नंदकिशोर नवल

निराला कवि-छवि - नंदकिशोर नवल

मुक्तिबोध की कविताएँ:बिंब प्रतिबिंब - नंदकिशोर नवल

धूपछाँही दिनकर - डॉ. शंभूनाथ

दिनकर : व्यक्तित्व और रचना के आयाम - सं. गोपाल राय,सत्यकाम

अंधेरे में : विभिन्न व्याख्याएँ - सुमनिका सेठी

शताब्दी पुरुष निराला - सं. डॉ. रामजी तिवारी

अज्ञेय : कविकर्म का संकट - कृष्णदत्त पालीवाल

युगकवि निराला - डॉ. कृष्णदेव झारी

मुक्तिबोध की कविता और चिंतन का मूल्यांकन - डॉ. सुधा अग्रवाल

कविता की वापसी और अरुण कमल का काव्य - विधि शर्मा

कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ - डॉ. नगेंद्र

कामायनी विमर्श - हरिचरण शर्मा

कविता के नये प्रतिमान - नामवर सिंह

कविता का उत्तर जीवन - परमानंद श्रीवास्तव

समकालीन हिंदी कविता - ए. अरविंदाक्षन

Scanned with OKEN Scanner

एम. ए. भाग-२

प्रश्न पत्र ४

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

खण्ड-क

१. भाषा और भाषा - विज्ञान

(क) भाषा : परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा-व्यवस्था और भाषा-व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक प्रकार्य

(ख) भाषा-विज्ञान: परिभाषा, स्वरूप और व्याप्ति, भाषा विज्ञान का अध्ययन क्षेत्र, अध्ययन की दिशाएँ

२. संसार की भाषाओं का वर्गीकरण-आकृतिमूलक, पारिवारिक, (भारोपीय परिवार तथा द्रविड़ परिवार के विशेष संदर्भ में)

३. स्वन-विज्ञान

स्वन विज्ञान : स्वरूप, वागवयव और उनके कार्य, स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वन परिवर्तन की दिशाएँ, स्वन परिवर्तन के कारण, स्वनिम : परिभाषा, स्वनिम और संस्वन।

४. रूप विज्ञान -

रूप विज्ञान का स्वरूप, शब्द और रूप, अर्थतत्व और संबधतत्व, संबंधतत्व के प्रकार, रूप परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण, रूपिम और संरूप, रूपिम के भेद।

५. वाक्य विज्ञान -

वाक्यविज्ञान - परिभाषा, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, वाक्य के अनिवार्य तत्व, वाक्य के भेद, निकटस्थ अवयव, अंत: केंद्रिक और वहिष्केंद्रिक संरचना।

६. अर्थविज्ञान -

अर्थविज्ञान : अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण।

७. प्रोक्ति विज्ञान

Scanned with OKEN Scanner

खण्ड -ख

हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

१. आर्य भाषाएँ : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ और उनकी विशेषताएँ, मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ और उनकी विशेषताएँ, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण–

२. हिंदी का भाषिक स्वरूप–

हिंदी की स्वनिम व्यवस्था, स्वनिम के भेद, हिंदी स्वरों तथा व्यंजनों का वर्गीकरण

३. हिंदी की रूप रचना–

उपसर्ग, प्रत्यय, समास,

लिंग, वचन और कारक के संदर्भ में हिंदी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया का रूपांतर।

४. देवनागरी लिपि –

देवनागरी लिपि का विकास, गुण, विशेषताएँ, त्रुटियाँ तथा सुधार।

संदर्भ ग्रंथ :

ग्रंथ का नाम	लेखक	प्रकाशक
भाषा विज्ञान	डॉ. भोलानाथ तिवारी	किताब महल, दिल्ली
भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र	डॉ. कपिलदेव द्विवेदी	विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास	डॉ. उदयनारायण तिवारी	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
हिंदी भाषा	डॉ. भोलानाथ तिवारी	किताब महल, दिल्ली
सरल भाषा विज्ञान	डॉ. अशोक के. शाह	हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली
भाषिकी, हिंदी भाषा तथा भाषा शिक्षण	डॉ. अंबादास देशमुख	शैलजा प्रकाशन, कानपुर

भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम–डॉ. अंबादास देशमुख शैलजा प्रकाशन, कानपुर

सामान्य भाषाविज्ञान सैद्धांतिक विवेचन- डॉ. विद्यासागर दयाल, अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर

वर्ण विज्ञान श्री. प्रभात रज्जन सरकार, कलिकाता

भाषाशास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा डॉ. देवेंद्र कुमार शास्त्री विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी

Scanned with OKEN Scanner

हिंदी भाषा विज्ञान अंक		केंद्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली
हिंदी व्याकरण प्रकाश	डॉ. महेंद्र कुमार राना	हर्षा प्रकाशन, आगरा
भाषा विज्ञान की रूपरेखा	द्वारका प्रसाद सक्सेना	जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
नागरी लिपि. रूप और सुधार	मोहन ब्रज	प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
हिंदी उद्‌भव विकास और रूप	-हरदेव बाहरी	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
भाषा और भाषिका	डॉ. देवीशंकर द्विवेदी	वाणी प्रकाशन, दिल्ली
सामान्य भाषा विज्ञान	डॉ. बाबूराम सक्सेना	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
हिंदी भाषा एवं भाषाविज्ञान	डॉ. महावीरसरन जैन	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत	-डॉ.रामकिशोर शर्मा	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

भाषा विज्ञान-सं. राजमल बोरा

भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा स्वरूप का विकास-डॉ. देवेंद्र सिंह

भाषा विज्ञान-रमेश रावत

भाषा और सूचना प्रद्यौगिकी-डॉ.अमर सिंह वधान

भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषा प्रबंधन-सूर्यप्रसाद दीक्षित

भाषा विज्ञान और हिंदी-रामगोपाल शर्मा

हिंदी भाषा:कल और आज-पूरनचंद टंडन

हिंदी भाषा, व्याकरण और रचना-डॉ. अर्जुन तिवारी

भारतीय भाषा विज्ञान-आचार्य किशोरीदास वाजपेयी

आधुनिक भाषा विज्ञान-राजमणि शर्मा

हिंदी भाषा : इतिहास और स्वरूप-राजमणि शर्मा

भाषा और प्रौद्योगिकी-डॉ. विनोद प्रसाद

भाषा शिक्षण-रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

हिंदी भाषा का इतिहास-डॉ. भोलानाथ तिवारी

हिंदी भाषा की संरचना-डॉ. भोलानाथ तिवारी

राजभाषा हिंदी-कैलाश चंद्र भाटिया

भाषा की उत्पात्ति, रचना और विकास-विनोद दिवाकर

हिंदी व्याकरण-कामता प्रसाद गुरु

हिंदी वर्तनी का विकास-अनिता गुप्ता

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न पत्र ६

काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

खण्ड-क

भारतीय काव्य शास्त्र -

- काव्य का स्वरूप, काव्य के लक्षण (प्राचीन आचार्य-भरत मुनि, भामह, मम्मट, विश्वनाथ, जगन्नाथ, भोज़राज), काव्य के हेतु।
- रस सिद्धांत - रस का स्वरूप, रस के अवयव, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण।
- अलंकार सिद्धांत की मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार और अलंकार्य में अंतर।
- रीतिसिद्धांत - रीति की अवधारणा, काव्य गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।
- वक्रोक्ति सिद्धांत - अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।
- ध्वनि सिद्धांत - स्वरूप, प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि-काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत व्यंग्य।
- हिंदी आचार्यों का काव्यशास्त्रीय चिंतन - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, आचार्य नंददुलोर बाजपेयी, डॉ. नामवर सिंह

खंड - ख-पाश्चात्य काव्यशास्त्र -

- प्लेटो का काव्य सिद्धांत
- अरस्तू :अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी विवेचन, विरेचन सिद्धांत।
- लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा।
- मैथ्यू आर्नाल्ड : आलोचना का स्वरूप तथा प्रकार्य।
- टी. एस. इलिएट : परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण।
- आई. ए. रिचर्ड्स : व्यावहारिक आलोचना, रागात्मक अर्थ संवेगों का संतुलन, संप्रेषण।

सिद्धांत और वाद : आभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद।

आधुनिक समीक्षा की प्रवृत्तियाँ - संरचनावाद, उत्तर आधुनिकतावाद।

Scanned with OKEN Scanner

संदर्भ ग्रंथी

१.	भारतीय साहित्य शास्त्र	डॉ. बलदेव उपाध्याय
२.	भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा	डॉ. नगेंद्र
३.	साहित्य का मूल्यांकन	डॉ. रामचंद्र तिवारी
४.	रससिद्धांत : स्वरूप और विश्लेषण	डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित
५.	रस सिद्धांत	डॉ. नगेंद्र
६.	काव्यतत्व विमर्श	डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
७.	काव्यशास्त्र	डॉ. भगीरथ मिश्र
८.	साहित्य शास्त्र	डॉ. कमलाप्रसाद पाण्डेय
९.	भारतीय समीक्षा सिद्धांत	डॉ. सूर्यनारायण द्विवेदी
१०.	ध्वनि सिद्धांत और हिंदी के प्रमुख आचार्य	डॉ. टी. एन. राय
११.	आचार्य शुक्ल के समीक्षा सिद्धांत	डॉ. रामलाल सिंह
१२.	रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना	डॉ. रामविलास शर्मा
१३.	आलोचक का दायित्व	डॉ. रामचंद्र तिवारी
१४.	हिंदी आलोचना का विकास	नंदकिशोर नवल
१५.	नामवर के विमर्श	डॉ. सुधीश पचौरी
१६.	जातीय परंपरा और नामवर	सं. डॉ. रतनकुमार पाण्डेय
१७.	पाश्चात्य काव्य सिद्धांत	डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त
१८.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	देवेंद्रनाथ शर्मा
१९.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	डॉ. निर्मला जैन
२०.	उत्तर आधुनिकता : कुछ विचार	सं. देवीशंकर नवीन
२१.	उत्तर आधुनिकता : साहित्यिक विमर्श	डॉ. सुधीश पचौरी
२२.	समीक्षा के विविध आंधार	सं. डॉ. रामजी तिवारी
२३.	पाश्चात्य काव्य चिंतन	डॉ. करुणा शंकर उपाध्याय
२४.	छन्दोलंकार प्रदीपिका	विश्वबंधु शर्मा
२५.	काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा	डॉ. निर्मला जैन
२६.	हिंदी आलोचना का सैद्धांतिक आधार	कृष्णदत्त पालीवात
२७.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रतिमान	डा. हरीश अरोड़ा

Scanned with OKEN Scanner

एम. ए. भाग-२

प्रश्न पत्र ८ : जनसंचार माध्यम

१. जनसंचार की अवधारणा : अर्थ, परिभाषा एवं महत्व
२. संचार प्रक्रिया के तत्व
३. सामाजिक विकास तथा जनसंचार की भूमिका
४. जनसंचार माध्यमों का विकास
५. जनसंचार माध्यम के विविध रूप
   अ) मुद्रित जनसंचार माध्यम
   आ) श्रव्य जनसंचार माध्यम
   इ) दृश्य-श्रव्य जनसंचार माध्यम
   ई) नव इलेक्ट्रॉनिक जनसंचार माध्यम
६. जनसंचार माध्यम और विज्ञान
७. संचार माध्यमों की भाषा
   अ) समाचार पत्रों की भाषा
   आ) रेडियो की भाषा
   इ) दूरदर्शन की भाषा
८. जनसंचार माध्यमों में हिंदी का प्रयोग : सामर्थ्य एवं सीमाएँ
९. माध्यमोपयोगी लेखन : स्वरूप एवं प्रकार
   अ) समाचार लेखन
   आ) रेडियो नाटक लेखन
   इ) टेलीविजन लेखन
   ई) उद्घोषणा लेखन
   उ) विज्ञापन लेखन
   ऊ) फीचर लेखन
   ए) रिपोर्ताज लेखन
   ऐ) पटकथा लेखन
   ओ) टेलीड्रामा लेखन
   औ) डाक्यूमेंट्री-डाक्यूड्रामा लेखन
   अं) संवाद लेखन
१०) साहित्यिक विधाओं का दृश्य भव्य रूपांतर

Scanned with OKEN Scanner

संदर्भ ग्रंथ :

ग्रंथ का नाम	लेखक	प्रकाशक
प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनाथन आयाम	डॉ. अंबादास देशमुख	शैलजा प्रकाशन, कानपुर
प्रयोजनमूलक हिंदी के आधुनिक आयाम	डॉ. महेंद्र सिंह राणा	हर्षा प्रकाशन, आगरा
समाचार संपादन	सं. रामशरण जोशी	राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
फीचर लेखन स्वरूप और शिल्प	डॉ. मनोहर प्रभाकर	राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
आधुनिक विज्ञापन	डॉ. प्रेमचंद पातंजलि	वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
प्रयोजन मूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग	डॉ. दंगल झाल्टे	वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
भूमंडलीकरण, निजीकरण और हिंदी	डॉ. माणिक मृगेश	वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार	डॉ. ठाकुरदत्त शर्मा	वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
पत्रकारिता और पत्रकारिता	डॉ. अरुण जैन	हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली
प्रयोजन मूलक कामकाजी हिंदी	डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया	तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
पत्रकारिता विविध विधाएँ	डॉ. राजकुमारी रानी	जयभारती प्रकाशन, इला.
प्रयोजन मूलक हिंदी सरंचना और प्रयोग	डॉ. दिनेशु गुप्त	राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
प्रयोजन मूलक हिंदी प्रासंगिकता एवं परिदृश्य	डॉ. नागलक्ष्मी	जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
मीडिया लेखन	विजय कुलश्रेष्ठ	जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
आधुनिक जनसंचार माध्यम और हिंदी	डॉ. हरिमोहन	राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
इलेक्ट्रानिक माध्यम रेडियो एवं दूरदर्शन	डॉ. राममोहन पाठक	राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
समाचार लेखन और संपादन कला	डॉ. हरिमोहन	राधाकृष्ण प्रकाशन
संचार माध्यम लेखन	गौरीशंकर रैणा	राधाकृष्ण प्रकाशन
रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता	डॉ. हरिमोहन	राधाकृष्ण प्रकाशन
मीडिया लेखन	डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र	राधाकृष्ण प्रकाशन

Scanned with OKEN Scanner

एम. ए. भाग-२

प्रश्न पत्र ८

दलित विमर्श एवं साहित्य

सैद्धांतिक :

१. दलित साहित्य की अवधारणा
२. दलित साहित्य का विकास
३. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र

व्यावहारिक :

आत्मकथा

१. झोपड़ी से राजभवन तक - माता प्रसाद
२. दोहरा अभिशाप - कौशल्या बैसंत्री, परमेश्वरी प्रकाशन, प्रीत विहार, दिल्ली

उपन्यास

१. उधर के लोग - अजय नावरिया, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

कहानी

१. संघर्ष — डॉ. सुशीला टाकभौरे, शरद प्रकाशन, नागपूर

कविता

१. बस बहुत हो चुका — ओमप्रकाश वाल्मीकि, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

१. आज का दलित साहित्य — तेज सिंह, अप्रतिम प्रकाशन, हरिनगर, नई दिल्ली
२. आंबेडकरवादी साहित्य का समाजशास्त्र - तेज सिंह, किताब घर, दरियागंज, नई दिल्ली
३. दलित समाज और संस्कृति — तेज सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकुला, हरियाना
४. आंबेडकरवादी विचारधारा और समाज - स्वराज प्रकाशन दरियागंज, नई दिल्ली-२
५. मराठी दलित साहित्य आत्मकथा के मील स्तंभ-गुलाब राव हाडे
६. भारतीय दलित साहित्य : परिप्रेक्ष्य-पुन्नी सिंह, कमला प्रसाद
७. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र-शरणकुमार लिंबाले
८. दलित साहित्य : बुनियादी सरोकार-कृष्णदत्त पालीवाल
९. परंपरागत वर्णव्यवस्था और दलित साहित्य-साक्षांत मस्के

Scanned with OKEN Scanner

१०. दलित साहित्य का समाजशास्त्र-हरिनारायण टाकुर
११. दलित चेतना : साहित्य-सं रमणिका गुप्ता
१२. दलित दर्शन-सं. रमणिका गुप्ता
१३. दलित चेतना : साहित्यिक एवं सामाजिक सरोकार-रमणिका गुप्ता
१४. दलित हस्तक्षेप-रमणिका गुप्ता
१५. दलित चिंतन के विविध आयाम-आ. ल. ऊके
१६. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र-ओमप्रकाश वाल्मीकि
१७. दलित विमर्श (हाशिये की वैचारिकी)-सं. उमाशंकर चौधरी
१८. दलित विमर्श (हिस्सेदारी के प्रश्न प्रतिप्रश्न)-सं. उमाशंकर चौधरी
१९. दलित मुक्ति के प्रश्न वाया मुक्ति पथ-बीरपाल सिंह यादव
२०. दलित साहित्य और विमर्श के आलोचक-कँवल भारती
२१. दलित विमर्श-डॉ. नरसिंहदास वणकर
२२. भारतीय दलित साहित्य-मनोज कुमार पटेल
२३. दलित साहित्य : विविध आयाम-डॉ. सुनीता साखरे
२४. हिंदी और मराठी का दलित साहित्य : एक मूल्यांकन-डॉ. सुनीता साखरे
२५. मुख्यधारा और दलित साहित्य : ओमप्रकाश वाल्मीकि
२६. दलित साहित्य : एक मूल्यांकन-चमनलाल
२७. हिंदी उपन्यास:उद्भव और विकास-हेतु भारद्वाज
२८. हिंदी उपन्यास का इतिहास-गोपाल राय
२९. हिंदी उपन्यास : जनवादी परंपरा-सं. कुँवर पाल सिंह
३०. साठोत्तर हिंदी उपन्यास-सं. डॉ. रामजी तिवारी
३१. हिंदी काव्य में दलित काव्यधारा-माता प्रसाद

Scanned with OKEN Scanner

एम. ए. हिंदी भाग-२

प्रश्न पत्र-८ - हिंदी नाटक

१.	चंद्रगुप्त	प्रसाद
२.	कोणार्क	जगदीशचंद्र माथुर
३.	आषाढ़ का एक दिन	मोहन राकेश
४.	जिस लाहौर नहीं वेख्यां ओ जन्म्या ही नहीं	अजगर वजाहत
५.	बकरी	सर्वेश्वरदयाल सक्सेना
६.	अंतिम अवरोध	एन. आर. सागर

संदर्भ ग्रंथ :

नाटकालोचन के सिद्धांत-सिद्धनाथ कुमार

भारतेंदु के नाट्यशब्द-डॉ. पूर्णिमा सत्यदेव

हिंदी नाट्य परिदृश्य-धीरेंद्र शुक्ल

हिंदी नाटक : नई परख-सं. रमेश गौतम

भारतीय नाट्य परंपरा और रंगभूमि-मदन मोहन भारद्वाज

हिंदी के नाट्यशिल्पी-शांति मलिक

भारतेंदुयुग के नाटकों की शिल्पविधि-शांति मलिक

हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास-हेतु भारद्वाज

हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास-डॉ. दशरथ ओझा

समकालीन हिंदी नाटक : रंगमंच के परिप्रेक्ष्य में-डॉ. मिथिलेश गुप्ता

आधुनिक नाटक : दृष्टि एवं शिल्प-डॉ. देवेंद्र स्वामी

समकालीन हिंदी नाटक : सृष्टि एवं दृष्टि-लव कुमार लवलीन

भारतेंदु हरिश्चंद्र के नाटकों में व्यंग्य-नरेंद्र अरुण

नटशिल्पी शंकर शेष-डॉ. सुरेश गौतम

प्रयोगधर्मी नाटककार-जगदीश माथुर

हिंदी के प्रमुख नाटककारों के नाटकों में लोकतत्व-डॉ. सत्यवीर सिंह

नाट्यशास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरुपक-हजारी प्रसाद द्विवेदी

हिंदी नाटक-बच्चन सिंह

नाटककार भारतेंदु की रंगपरिकल्पना-सं. सत्येंद्र तनेजा

Scanned with OKEN Scanner

नाटककार जगदीशचंद्र माथुर-गोविंदचातक
स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक-डॉ. रामजन्म शर्मा
हिंदी नाटक आत्मसंघर्ष-डॉ. गिरीश रस्तोगी
शंकर शेष के नाटकों में संघर्ष चेतना-हेमंत कुकरेती
अंधेरी नगरी : सृजन विश्लेषण और पाठ-रमेश गौतम
शंकरशेष: व्यक्तित्व एवं कृतितत्व-सुनीता मंजनबैल
बीसवीं शताब्दी में हिंदी नाटक और रंगमंच-गिरीश रस्तोगी

Scanned with OKEN Scanner